# SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

## Auto / E-Rickshaw Driver & Technician

ऑटो/ई-रिक्शा चालक और तकनीशियन तीन पहिया वाहन — पेट्रोल/सीएनजी ऑटो, बैटरी से चलने वाला ई-रिक्शा, यात्री और लोडिंग ऑटो — चलाता भी है और उसकी मरम्मत व रखरखाव भी करता है। यह ज़्यादातर स्व-रोज़गार वाला काम है: अपना ई-रिक्शा खरीदकर...

### इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6268

### राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

**सुशील कुमार शर्मा**
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

**श्री चेनाराम चौधरी**
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

**श्रीमती संघमित्रा**
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

**भरत चौधरी**
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)



विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

**सुरेन्द्र सिंह राठौड़**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

**सुरेश कुमार सैन**
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**वनिता कुमारी**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**कमलेश चौधरी**
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)



यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

## 1 यह करियर क्या है

ऑटो/ई-रिक्शा चालक और तकनीशियन तीन पहिया वाहन — पेट्रोल/सीएनजी ऑटो, बैटरी से चलने वाला ई-रिक्शा, यात्री और लोडिंग ऑटो — चलाता भी है और उसकी मरम्मत व रखरखाव भी करता है। यह ज़्यादातर स्व-रोज़गार वाला काम है: अपना ई-रिक्शा खरीदकर सवारी ढोना, या किसी राइड/डिलीवरी प्लेटफॉर्म से जुड़ना। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते चलन से इसमें एक नया पहलू जुड़ा है — ई-रिक्शा की बैटरी, मोटर और चार्जिंग की बुनियादी देखभाल जानना, जिससे कमाई बढ़ती है और शहर की हवा भी साफ़ रहती है। कम पूँजी, लचीले घंटे और तुरंत आमदनी इसे युवाओं के लिए आकर्षक बनाते हैं।

## 2 एक नज़र में

| | |
|---|---|
| न्यूनतम योग्यता | 8वीं पास + 18 वर्ष + ड्राइविंग लाइसेंस (एनएसक्यूएफ लेवल 3) |
| कोर्स अवधि | लगभग 2–4 माह |
| आरंभिक वेतन | ₹12,000–18,000/माह |
| कार्य-शैली | स्व-रोज़गार / प्लेटफॉर्म पर सवारी व डिलीवरी |

## 3 क्या-क्या चाहिए

**रुचियाँ**

- गाड़ी चलाना और सड़कों-रास्तों को जानना पसंद
- मशीन, बैटरी और मरम्मत के काम में रुचि
- लोगों से मिलना और अपना काम खुद चलाना अच्छा लगे

**क्षमताएँ**

- शारीरिक रूप से स्वस्थ और चौकन्ना होना
- सुरक्षित ड्राइविंग और ज़िम्मेदारी का भाव
- अच्छा संचार और नम्र व्यवहार

**ज़रूरी कौशल**

- सुरक्षित ड्राइविंग, यातायात नियम और सवारी की सुरक्षा
- मोटर, ब्रेक, टायर और वायरिंग की नियमित जाँच व छोटी मरम्मत
- ई-रिक्शा की बैटरी, चार्जिंग और रेंज की बुनियादी समझ
- ग्राहक सेवा, किराया-हिसाब और नम्र व्यवहार

- रास्तों की जानकारी, मैप व राइड-ऐप का उपयोग
- वाहन की सफ़ाई, दस्तावेज़ और बीमा-लाइसेंस का रखरखाव
- रोज़ की आमदनी-खर्च का हिसाब और बचत

## 4 कैसे पहुँचें

1. 8वीं कक्षा पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. आरटीओ से थ्री-व्हीलर/ट्रांसपोर्ट ड्राइविंग लाइसेंस बनवाएँ (लर्नर लाइसेंस के बाद)।
3. एएसडीसी/एनएसडीसी के 'ऑटो ई-रिक्शा ड्राइवर/असिस्टेंट सर्विस टेक्नीशियन' (एनएसक्यूएफ लेवल 3) कोर्स में नामांकन करें।
4. ई-रिक्शा की बैटरी, चार्जिंग और बुनियादी मरम्मत का व्यावहारिक अभ्यास करें।
5. अपना ई-रिक्शा खरीदने के लिए मुद्रा लोन/ईवी सब्सिडी लें, या किसी राइड/डिलीवरी प्लेटफॉर्म से जुड़ें।
6. अनुभव के साथ अपनी सवारी बढ़ाएँ, दूसरे वाहन जोड़ें या ईवी मरम्मत की छोटी दुकान खोलें।

### प्रमुख परीक्षाएँ

- आरटीओ थ्री-व्हीलर/ट्रांसपोर्ट ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट (सारथी/परिवहन)
- एएसडीसी/एनएसडीसी ट्रेड मूल्यांकन व प्रमाणन परीक्षा

## 5 कहाँ से पढ़ें

### सरकारी संस्थान

- ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल (ASDC) — अखिल भारतीय नेटवर्क / राजस्थान केंद्र (https://www.asdc.org.in/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) – ऑटो ई-रिक्शा ड्राइवर/सर्विस टेक्नीशियन — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://nsdcindia.org/auto-e-rickshaw-driver-assistant-service-technician)
- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- e-AMRIT ईवी स्किल सेंटर (नीति आयोग) — अखिल भारतीय / ऑनलाइन (https://e-amrit.niti.gov.in/skill-center)

### निजी संस्थान

- ASDC मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्र — राजस्थान व अन्य राज्य (https://courses.asdc.org.in/)
- एनएसडीसी प्रशिक्षण केंद्र खोजें — अखिल भारतीय (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)

#### ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन / निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

#### फ़ीस

एएसडीसी/एनएसडीसी, आरएसएलडीसी और पीएमकेवीवाई जैसी अधिकांश सरकारी योजनाओं में यह कोर्स मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर है। सबसे बड़ी लागत ई-रिक्शा खरीदने की होती है (लगभग ₹1.2–1.8 लाख), जिसके लिए मुद्रा लोन और राजस्थान ईवी सब्सिडी का सहारा लिया जा सकता है।

#### छात्रवृत्तियाँ

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (ई-रिक्शा खरीद हेतु लोन) (https://www.mudra.org.in/)
- राजस्थान ईवी सब्सिडी / नीति (परिवहन विभाग) (https://transport.rajasthan.gov.in/)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)

## 6 काम कैसा होता है

#### कहाँ काम

शहर व कस्बों की सड़कें, बस-रेलवे स्टेशन, बाज़ार, अस्पताल और रिहायशी इलाके; राइड-हेलिंग और ई-कॉमर्स/लास्ट-माइल डिलीवरी के रूट भी।

#### कार्य-संस्कृति

आम तौर पर आप स्व-नियोजित होंगे और अपने घंटे खुद तय करेंगे; कई चालक सुबह से शाम तक 8–12 घंटे काम करते हैं। स्थानीय यात्रा इस काम का हिस्सा है और आमदनी सीधे मेहनत से जुड़ी होती है। महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए भी इसमें बढ़ते अवसर हैं।

#### कौन नौकरी देता है

- स्व-रोज़गार — अपना ई-रिक्शा/ऑटो चलाना
- ई-कॉमर्स व लास्ट-माइल डिलीवरी कंपनियाँ (Amazon, Flipkart, Zomato)
- पिंक सिटी रिक्शा जैसी सामाजिक-उद्यम पहलें (राजस्थान)
- राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म (Ola, Uber, Rapido)
- ई-रिक्शा/ईवी फाइनेंस व लीज़ कंपनियाँ (मुद्रा बैंक, एनबीएफसी)
- ईवी सर्विस स्टेशन और बैटरी-स्वैपिंग/चार्जिंग नेटवर्क

**माँग (2026)**

स्वच्छ हरित परिवहन (ग्रीन मोबिलिटी) के दौर में ई-रिक्शा तेज़ी से बढ़ रहे हैं — राजस्थान सरकार ने ईवी को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये की सब्सिडी और नीति दी है। कम चलने की लागत, आसान फाइनेंस और शहरों में लास्ट-माइल सवारी व डिलीवरी की माँग से चालक-सह-तकनीशियन की ज़रूरत लगातार बनी हुई है, और ईवी मरम्मत का हुनर इसे और मज़बूत करता है।

## 7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. ई-रिक्शा चालक (किराये/प्लेटफॉर्म पर)
2. अपना ई-रिक्शा रखने वाला मालिक-चालक
3. बहु-वाहन मालिक (कई ई-रिक्शा किराये पर देना)
4. ईवी मरम्मत की दुकान / फ्लीट व्यवसायी

**कमाई**

| | |
|---|---|
| शुरुआत | ₹12,000–18,000/माह |
| मध्य स्तर | ₹20,000–30,000/माह |
| वरिष्ठ स्तर | ₹35,000–60,000+/माह |

आमदनी सीधे रोज़ की सवारियों पर निर्भर करती है — ज़्यादातर ई-रिक्शा चालक प्रतिदिन ₹500–1,000 शुद्ध कमाते हैं, यानी मोटे तौर पर ₹15,000–30,000 प्रति माह। अपना वाहन होने पर किराया बचता है और कमाई बढ़ती है; कई ई-रिक्शा या ईवी मरम्मत की दुकान चलाने पर आय और अधिक हो जाती है। बिजली का खर्च पेट्रोल/सीएनजी से काफ़ी कम होता है।

## 8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

**अच्छी बातें**

- कम पूँजी और आसान फाइनेंस से जल्दी अपना काम शुरू करना
- लचीले घंटे, अपने मालिक खुद और रोज़ नकद आमदनी
- ईवी की बढ़ती माँग व मरम्मत हुनर से स्थिर, हरित भविष्य

**चुनौतियाँ**

- आमदनी मौसम, त्योहार और सवारी की संख्या पर घटती-बढ़ती है
- लंबे घंटे, धूप-गर्मी और सड़क पर थकान
- बैटरी बदलने और मरम्मत का खर्च व लोन की किस्त

## 9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

**Hemlata Kushwaha Singh**
**जयपुर की पहली महिला ऑटो-रिक्शा चालक**

राजस्थान की हेमलता कुशवाहा सिंह ने पारिवारिक व आर्थिक कठिनाइयों के बीच सिर्फ़ आठवीं तक पढ़ाई की थी। छोटे बच्चे की देखभाल के साथ पारंपरिक नौकरी मुश्किल थी, तो उन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया और 2012 में भाई का ऑटो लेकर जयपुर की सड़कों पर उतर गईं। आज़ाद फाउंडेशन से प्रशिक्षण लेकर उन्होंने ड्राइविंग, आत्मरक्षा और अपने अधिकार सीखे। शुरू में पुरुष चालकों के ताने सहे, पर डटी रहीं और जयपुर मेट्रोपॉलिटन ऑटो-ड्राइवर यूनियन की सचिव तक बनीं। लचीले घंटों में गाड़ी चलाकर वे अपने परिवार की मुख्य कमाने वाली बनीं — उन सभी लड़कियों के लिए मिसाल जो ऑटो/ई-रिक्शा चलाकर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं।

Life Beyond Numbers · https://lifebeyondnumbers.com/hemlata-kushwaha-singh-jaipurs-first-woman-auto-rickshaw-driver-whos-driving-a-change/

**Dilip Ram**
**ई-रिक्शा मालिक-चालक, गोविंदपुरी, दिल्ली**

बिहार से आकर दिल्ली में बसे दिलीप राम ने अपनी आजीविका ई-रिक्शा पर बनाई। महँगे पेट्रोल/सीएनजी ऑटो (₹7–8 लाख) के बजाय उन्होंने किफ़ायती लिथियम-आयन बैटरी वाला ई-रिक्शा चुना, जिसे वे घर पर ही लगभग ₹60 प्रतिदिन में चार्ज कर लेते हैं। जलभराव के समय बैटरी निकालकर सुरक्षित रखना जैसे व्यावहारिक जुगाड़ से वे वाहन को चलाते रहते हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि कैसे एक साधारण प्रवासी मज़दूर ईवी की कम लागत और घरेलू चार्जिंग की समझ के दम पर अपना वाहन खरीदकर हरित परिवहन में स्थिर आमदनी और आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है।

India Development Review (IDR) · https://idronline.org/article/livelihoods/photo-essay-e-rickshaw-drivers-ferry-indias-electric-dream/

## 10 स्रोत व आगे पढ़ें

**1.** राजस्थान करियर गाइडेंस – ऑटो/ई-रिक्शा चालक और तकनीशियन — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%91%e0%a4%9f%e0%a5%8b-%e0%a4%88-%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%be-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%95-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%80%e0%a4%b6/

**2.** एनएसडीसी – ऑटो ई-रिक्शा ड्राइवर/असिस्टेंट सर्विस टेक्नीशियन (जॉब रोल) — https://nsdcindia.org/auto-e-rickshaw-driver-assistant-service-technician

**3.** आईडीआर – ई-रिक्शा चालकों पर फोटो निबंध (आय व ईवी आजीविका) — https://idronline.org/article/livelihoods/photo-essay-e-rickshaw-drivers-ferry-indias-electric-dream/

**4.** राजस्थान परिवहन विभाग – ईवी नीति व सब्सिडी — https://transport.rajasthan.gov.in/

**5.** सारथी परिवहन – ड्राइविंग लाइसेंस (आरटीओ) — https://sarathi.parivahan.gov.in/

**और 770+ करियर — पूरा पोर्टल**

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

**career.gsssjethantri.in**